हृदय और धड़कन

वर्ष-7, अंक-84, दिसम्बर 20, 2016

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences

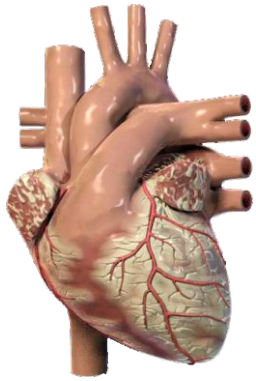

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट	
डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. विपुल कपूर	+91-98240 99848
डॉ. तेजस वी. पटेल	+91-89403 05130
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. अनिश चंदाराणा	+91-98250 96922
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
कार्डियक सर्जन	
डॉ. मनन देसाई	+91-96385 96669
डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
पिडियाट्रिक और स्ट्रकचरल हार्ट सर्जन	
डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502
कार्डियोवास्क्युलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन	
डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700
कार्डियक एनेस्थेटिस्ट	
डॉ. चिंतन शेठ	+91-91732 04454
डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट	
डॉ. कश्यप शेठ	+91-99246 12288
डॉ.दिव्येश सादडीवाला	+91-82383 39980
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
निओनेटोलोजीस्ट और पीडियाट्रीक इन्टेन्सीवीस्ट	
डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
डॉ. स्नेहल पटेल	+91-99981 49794
कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट	
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056

ए.सी.इ. इन्हीबिटर्स

'एन्जियोटेन्सीन कनवर्टिंग एन्जाइम इन्हीबिटर्स' यानि वो दवाएं जो रक्तवाहिनियों का संकुचन कम करके ब्लडप्रेशर को कम करने में मदद करती हैं। ब्लडप्रेशर कम होने से हृदयघात जैसे रोग कम होते हैं, और हार्ट फेल्योर (कमजोर हृदय) का इलाज करना आसान हो जाता है।

जब हृदय बहुत कमजोर हो जाता है या उसको खूब नुकसान होता है तब वह सही ढंग से रक्त को पंप नहीं कर सकता है तब हार्ट फेल्योर हुआ है ऐसा कहा जाता है। ऐसे केस में ए.सी.इ.आइ. हृदय में होने वाले नुकसान को कम करता है।

किस प्रकार कार्य करता है?

एन्जियोटेन्सीन कनवर्टिंग एन्जाइम (ए.सी.इ.) शरीर का एक ऐसा तत्त्व है जिससे एन्जियोटेन्सिन बनता है और जिससे रक्तवाहिनियां संकुचित होती हैं और रोगी का ब्लडप्रेशर बढ़ता है।

कब उपयोग में लिया जाता है?

रक्तवाहिनियों को चौड़ा करने के लिए कई बार केवल ए.सी.इ.आइ. ही दी जाती है। अथवा ब्लडप्रेशर कम करने वाली दवाओं के साथ भी दी जाती है।

हाल ही में किये हुए सर्वेक्षणों से पता चलता है कि ए.सी.इ.आइ. हार्टअटेक के समय स्नायुओं का रक्षण करती हैं। इस दवा से हृदय के स्नायु ठीक रहते हैं और पम्पिंग अच्छी तरह कर सकते हैं।

हदय की पम्प करने की शक्ति कमजोर होने

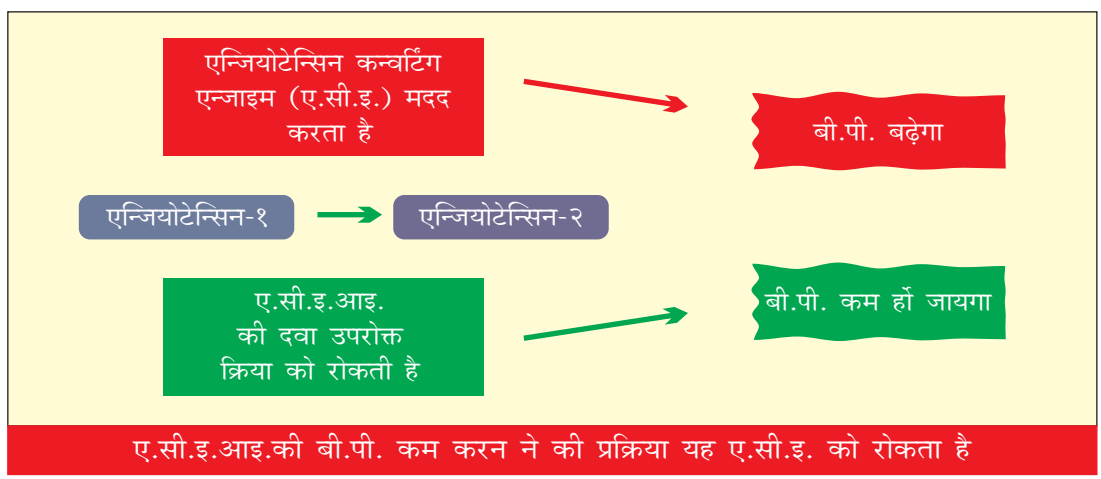

ए.सी.इ.आइ.की बी.पी. कम करन ने की प्रक्रिया यह ए.सी.इ. को रोकता है

पर शरीर की मांसपेशियो और फेंफड़ों में प्रवाही भर जाता है। रोगी को थकान, पांव व घुटने में सूजन और सांस लेने में तकलीफ आदि लक्षण दिखने लगते हैं।

ए.सी.इ.आइ. ब्लडप्रेशर को कम करके इन लक्षणों को दूर करता है और हृदय के कामकाज को हल्का करता है। यह किडनी पर भी सानुकूल असर करके शरीर में जमा हुए अधिक प्रवाही को दूर करता है।

दवा कि मात्रा कितनी होनी चाहिए?

आपके डॉक्टर आपका ब्लडप्रेशर जांचने के बाद दवा की योग्य मात्रा निश्चित करते हैं। आपकी हर मुलाकात के समय जब तक दवा की आदर्श मात्रा तय नहीं हो जाती तब तक ब्लडप्रेशर की वे जांच करेंगे। हार्ट फेल्योर के इलाज के लिए आपके ब्लडप्रेशर की जांच होगी और आपको नमक कम करने व खुद ही वजन नियंत्रित करने की सलाह भी देंगे।

साथ में आपके रक्त में पोटेशियम की मात्रा की भी समयपर जांच होनी जरूरी है।

एक स्त्री को अपने पति के खर्राटों से बहुत चिड़ थी। एक सुबह उसने डॉक्टर को बुलाया और कहा, 'डॉक्टर ऐसा कुछ करो कि इस मुश्किल से छुटकारा मिले।'

'ठीक है एक ऑपरेशन है जो मैं कर सकता हूं। इससे आपके पति को फायदा होगा, पर यह बहुत महंगा है। शुरु में २५,००० और बाद के २४ महिने तक ५००० रुपये होंगे और अतिरिक्त खर्च भी हो सकता है।'

'हे भगवान !' स्त्री बोली 'नई मारुती कार ले रहें हों ऐसा लगता है।'

'आपको कैसे पता चला?' डॉक्टर ने आश्चर्य से पूछा।

विपरीत प्रभाव

नीचे बताए हुए विपरीत प्रभाव के बारे में अपने डॉक्टर को शीघ्र ही सूचित करें :

- सूखी खांसी; यह सबसे ज्यादा विपरीत प्रभाव है
- त्वचा पर निशान
- रक्त में पोटेशियम की अनिश्चित मात्रा
- स्नायु में कमजोरी

हर एक को ए.सी.इ.आइ. का असर एक जैसा नहीं होता। अगर दवा लेते समय एसे कुछ चिन्ह का पता लगे तो तुरंत अपने डॉक्टर का संपर्क करें। सौभाग्य से आंशिक रूप में ए.सी.इ.आइ. दवा लेने वाले लोगों में कोई चिन्ह नजर नहीं आते। ए.सी.इ.आइ. कई नामो में मिलती है, जैसे केप्टोप्रिल, एनालापप्रिल, लीसीनोप्रिल, पेरींडोप्रिल. रेमिप्रिल इत्यादि।

स्टेटिन्स

स्टेटिन्स क्या है?

स्टेटिन्स कोलेस्टरोल के स्तर को नीचे लाने वाली दवा है। जब आहार व कसरत के द्वारा कोलेस्टरोल को नियंत्रित न किया जा सके तब स्टेटिन्स ग्रुप की दवाएं इच्छानुसार परिणाम दिलाने में सहायक होती हैं। आजकल भारतवर्ष की अनेक कंपनियां कोलेस्टरोल कम रखा जा सके ऐसी दवाएं बनाती हैं। स्टेटिन्स के दवा समूह में एटोरवास्टेटिन, रोसुवास्टेटिन, लोवास्टेटिन, प्रावास्टेटिन और सिमवास्टेटिन का समावेश होता है।

उपयोग

- कोलेस्टरोल के स्तर को नीचे लाना और हृदयरोग के हमले के खतरे को दूर रखने में इन दवाओं का प्रयोग होता है।
- स्टेटिन्स से हृदय के कोषों को बीमारी से रक्षण मिलता है।

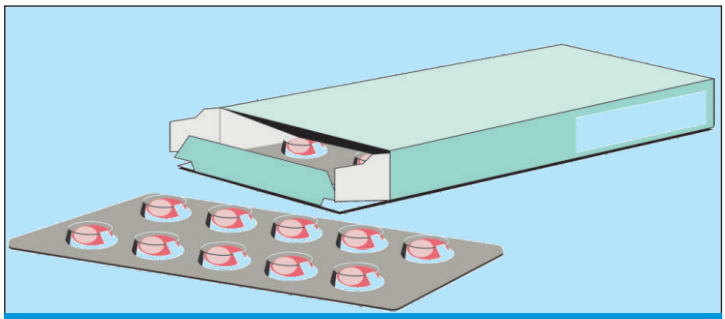

स्टेटिन्स की दवा पूरी जिंदगी लेनी पड़ती है

किस प्रकार कार्य करता है?

कोलेस्टरोल एक प्रकार की चरबी है। इससे शरीर पर अच्छी व खराब दोनो प्रकार का असर होता है। आपका शरीर कोलेस्टरोल का उपयोग हार्मोन्स बनाने व नस के कोषों की संभाल करने में करता है। पर जब शरीर में कोलेस्टरोल बढ़ जाए, तब चरबी का संग्रह करने वाले प्लेक (Plaque) रक्तवाहिनियों के कोषों में जगह बनाते हैं।

एक व्यक्ति वार्षिक शारीरिक जांच के लिए डॉक्टर के पास गया। डॉक्टर ने पूरी जांच की। 'कैसे हैं मेरे रिपोर्ट?' रोगी ने पूछा। 'खराब समाचार हैं, और अच्छे समाचार भी हैं।' डॉक्टर ने कहा, 'खराब समाचार है कि आपको लम्बे समय चलने वाली बीमारी है, और अच्छे समाचार हैं कि मेरे लड़के का एडमिशन मेडिकल कोलेज में डोनेशन सीट पर हो गया है।'

रक्तवाहिनियों की दीवारें मोटी होने पर स्वाभाविक रूप से ही संकरी हो जाती हैं। इस स्थिति को एथेरोस्क्लेरोसिस (Atherosclerosis) कहते हैं। यह रक्तवाहिनियों में रक्त के प्रवहन को कम करता है और इसीसे हृदयरोग और हार्टअटेक के हमले की सम्भावना बढ़ जाती है।

स्टेटिन्स दवाएं कोलेस्टरोल बनाने वाली एन्जाइम (enzyme) की प्रक्रिया को बंद करता है, जिससे कोलेस्ट्रोल का बनना कम हो जाता है। स्टेटिन्स खराब कोलेस्टरोल (LDL) और रक्त के अंदर के ट्राइग्लायसराइड्स (triglycerides) की मात्रा कम करता है।

स्टेटिन्स रक्त के ख़्रख़ कोलेस्टरोल को दूर करने के लिए यकृत (ख़्रध्ड्ढद्ध) की शक्ति को बढाता है। हाल में हुए संशोधनों से पता चलता है कि स्टेटिन्स रक्तवाहिनियों की दीवारों को भी मजबूत बनाता है।

क्या बुरा प्रभाव हो सकता है?

निम्न असर होने डॉक्टर को तुरंत ही सूचित करें

- स्नायु की कमजोरी, दर्द या कमजोरी
- कई बार लीवर टेस्ट में बदलाव आए, जो स्टेटिन्स बंद करने से सुधारा जा सकता है।
- मूत्र के रंग में परिवर्तन (खूब पीला अथवा नसवार के रंग का पेशाब)

सामांन्यतया स्टेटिन्स से किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता है। स्टेटिन्स लेने के फायदे इतने ज्यादा हैं कि कई हृदयरोग विशेषज्ञ कोलेस्टरोल की मात्रा नियंत्रण में हो तो भी हृदयरोग के दूसरे खतरे रहने पर रोगियों को स्टेटिन्स लेने की सलाह देते हैं।

स्टेटिन्स : हृदय रक्षक

अगर आप किसी भी प्रकार की कोलेस्टरोल की दवा नियमित लेते हैं तो आपको आपके डॉक्टर की मुलाकात भी नियमित लेनी चाहिए।

जब आप स्टेटिन्स नियमित ले रहें हैं तो आपको रक्तपरिक्षण भी नियमित रूप से करवाना पड़ता है। इसमें रक्त में कोलेस्टरोल का प्रमाण व लीवर की तंदरुस्ती की जांच की जाती है, और यह पता चलता है कि लीवर के ऊपर कोई बुरा प्रभाव तो नहीं पड़ा है।

स्टेटिन्स लेने की शुरुआत करने के कुछ सप्ताह बाद स्टेटिन्स से होने वाले परिणाम देखे जा सकते हैं। यह दवा अपने डॉक्टर की सूचना के अनुसार ही लेनी चाहिए। अगर आपका वजन अधिक है तो उसे घटाना आवश्यक है।

कम चरबी और कम कोलेस्टरोल वाला भोजन करें। अपने डॉक्टर की सूचना के अनुसार कसरत करें।

सौजन्य **'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख**

डायुरेटिक्स

क्या है?

डायुरेटिक्स ऐसी दवा है जो किडनी पर ज्यादा पेशाब का निकाल करने के लिए दबाव डालती है। डायुरेटिक्स के कई प्रकार हैं। सामान्य प्रकार जैसे कि एल्कोहलिक पदार्थ, कॉफी या चाय में भी डायुरेटिक्स होते हैं।

बीमारी में उपयोग किये जाने वाले डायुरेटिक्स पेशाब करवाने वाली विशिष्ट दवाएं होती हैं। यह केवल डॉक्टर के प्रेस्क्रिप्शन से ही मिलती हैं।

कब उपयोग की जाती है?

शरीर में जब पानी की मात्रा अधिक बढ़ जाती है, तब डायुरेटिक्स की जरूरत होती है। जब बीमार हृदय सामान्य रूप से पम्प नही कर सके और शरीर की मांसपेशियों में पानी इकठ्ठा हो जाए तब ऐसा होता है। इस स्थिति को 'कन्जेस्टिव हार्ट फेल्योर' कहते हैं। कई डायुरेटिक्स उच्च रक्तचाप (हाई ब्लडप्रेशर) में भी दी जाती है।

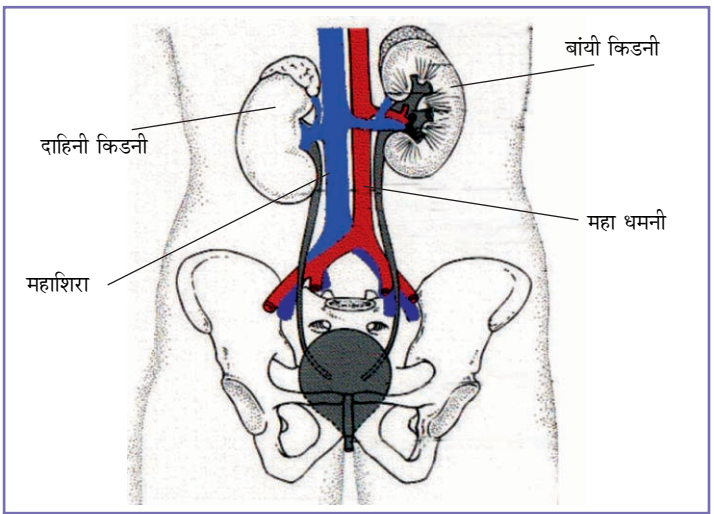

डायुरेटिक्स किडनी पर असर करके बी.पी. को कम करता है

यह किस प्रकार काम करती है?

सभी डायुरेटिक्स किडनी के कोषों पर सीधे या अप्रत्यक्ष ढंग से असर करते हैं। कॉफी या चाय में जो रसायन होते हैं वे किडनी पर सीधी तरह से कार्य करके पेशाब की मात्रा बढ़ा देते हैं। डायुरेटिक्स किडनी के कोषों पर सीधी तरह कार्य करके सोडियम और पानी का निकाल करते हैं। कई प्रकार के डायुरेटिक्स उपलब्ध हैं। प्रत्येक डायुरेटिक कुछ अलग-अलग तरह से काम करते हैं। डॉक्टर रोगी के लिए जो सर्वश्रेष्ठ होगा वही लिखेगा। 'लेसिक्स' यह एक जाना हुआ डायुरेटिक है।

सौजन्य **'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख**

CIMS connect

सीम्स होस्पिटल की तरफसे आपको नियमित जानकारी प्राप्त करने के लिये एवं नये रसप्रद केसो की जानकारी के लिये हमारे साथ फेसबुक से जुडे. आप सीम्स होस्पिटल की एप्लीकेशन एन्ड्रोइड, एपल (आईफोन) एवं विन्डोझ फोन में डाउनलोड कर सकते हो जिससे आपको स्वास्थ्य संबंधित उपयोगी मार्गदर्शन मिल सकेगा ।

facebook | "सीम्स होस्पिटल" (CIMS Hospital) की एप्लीकेशन उपलब्ध है | ANDROID APP ON Google play | Download on the App Store | Download on the Windows Phone

सीम्स हॉस्पिटल

विश्वास
जो एक दिन में कभी नही बनाया जा सकता

हमारे लिए यह गौरव का पल है।
हम ने गोल्डसील प्राप्त किया है।

सीम्स अस्पताल विश्व के 800 से अधिक संस्थानों एवं भारत में केवल 26 मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल तथा कुल 30 संस्थानों में शामिल हुआ है। अस्पताल ने जॉइंट कमिशन इंटरनेशनल (युएसए) एक्रेडिटेशन प्राप्त किया है और मरीजों की सुरक्षा में गोल्डसील ऑफ अॅप्रूवल प्राप्त किया है।

जॉइंट कमिशन इंटरनेशनल (जेसीआई-युएसए) अंतरराष्ट्रीय एक्रेडिटेशन तथा सर्टिफिकेशन ऑफर करके मरीजों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य की गुणवत्ता सुधारने के लिए काम करता है।

सर्वश्रेष्ठ में से सर्वोत्तम

CIMS® Care Institute of Medical Sciences
Earning Trust with World-Class Practices

JCI

NABH ACCREDITED

International Centers of Excellence

NABL ACCREDITED LABORATORY

भारत का प्रथम और एक मात्र अस्पताल जिसने 4 मान्यता प्राप्त कि हैं।

जेसीआई प्राप्त करने वाला भारत के तमाम नए अस्पतालों में से एक

सबसे उच्च अनुपालनों में से एक। उत्कृष्टता तथा सुश्रुषा (देखभाल) के 1400 मानदंडों में 98.7 प्रतिशत अनुपालन

प्रथम प्रयास में ही यह प्राप्त करने वाला भारत के अस्पतालों में एक

सीम्स एक्सप्रेस

बेहतर सेवाऐं प्रदान करने के लिये उसी दिन अपोइन्टमेन्ट

क्या आपको आज ही अपोइन्टमेन्ट चाहिए ?

सीम्स में हम डॉक्टर* की उसी दिन अपोइन्टमेन्ट का वादा करते है
(अगर आप दोपहर 12.00 बजे से पहले फोन करो - सोमवार से शनिवार) अथवा दूसरे दिन की सुबह

+91-9825066661, +91-79-30101008/1200

*जिस स्पेश्यालीटी टीम से संबंधित डॉक्टर उस दिन हाजिर होगें वे मरीज की जाँच करेगें ।

24 x 7 मेडिकल हेल्पलाईन : +91-7069000000

CIMS® Care Institute of Medical Sciences
Earning Trust with World-Class Practices

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास,
ऑफ साईन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

एम्ब्युलन्स और ईमरजन्सी : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234

Email: info@cims.me | www.cims.me

CIMS Hospital India App on:

सीम्स हॉस्पिटल

एक्स्ट्रा कॉर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन (ECMO)

सीम्स की बहुत ही बड़ी तथा अनुभवी ईक्मो टीम

एक ऐसी कार्यपद्धति, जिसमें एक मशीन द्वारा फेफड़े तथा कभी-कभी हृदय का कार्य वहन किया जाता है।

जब फेफड़ों को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन प्राप्त नहीं होती और जब हृदय स्वयं से होने वाले अधिकतम् प्रयासों के बावजूद भी ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं कर पाता, उस समय इस प्रकार की परिस्थिति के कारण एक से अधिक अंग निष्क्रिय हो जाते हैं और व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। इस प्रकार की परिस्थितियों में ईसीएमओ हृदय तथा फेफड़े की बायपास मशीन की तरह काम करता है और इस तरह वहशरीर के अंगों को ठीक-ठाक होने के लिए जरूरी समय एवं उपचार प्रदान करता है।

विश्व भर में सैकड़ों लोगों का जीवन ईसीएमओ (ECMO) सिस्टम के कारण बचाया जा सका है।

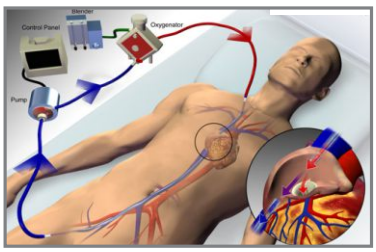

निम्न दर्शाई गई परिस्थितियों में ईसीएमओ (ECMO) मशीन एक आशा की किरण देने समान काम करती है।

हृदय की समस्याएँ :

- हृदयाघात
- बाइपास सर्जरी कराने से पहले या बाद में
- हृदय के प्रत्यारोपण से पहले या बाद में
- हृदय की जटिल शल्य चिकित्साओं के बाद
- जन्मजात हृदय की समस्याओं में
- हृदय के बड़े दौरे के बाद
- जटिल एंजियोप्लास्टी से पहले या बाद में

फेफड़े की समस्याएँ :

- एडल्ट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिण्ड्रॉम (एआरडीएस) वयस्क होने पर होने वाली श्वासोच्छवास से जुड़ी तकलीफ के लक्षण (एआरडीएस)
- स्वाइन फ्लू, निमोनिया
- सुसंगत अस्थमा, केमिकल न्युमोनिटिस
- इन्हेलेशन्ल न्युमोनिटिस
- डूबने के कगार पर पहुँचे व्यक्ति को होने वाली समस्याओं के लिए
- सीने में उठने वाला तीव्र सहलशण (सिकल सेल)
- ब्रॉन्कायोलिटिस
- निरंतर हवा का प्रवाह चालू रहे, इस प्रकार का सहलशण (पर्सिस्टेंट एयर लीक सिण्ड्रॉम)

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
Earning Trust with World-Class Practices

JCI
NABH
NABL
Certificate No. M-0500
International Centers of Excellence

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060. फोन नं. +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर)

24 x 7 मेडिकल हेल्पलाईन : +91-7069000000

www.cims.me

CIMS Hospital India App on:

जब जीवन की सभी आशाएँ समाप्त हो गईं, तब एक सरल पद्धति से हृदय का वॉल्व पुनः कार्यरत् हुआ।

CIMS DIL DIL KI KAHANI

3 #dildilkikahani

नाम : श्री हर्षद दवे
उंमर : ७२ वर्ष
स्थान : अहमदाबाद, भारत

श्रीमान दवे अपना पूरा जीवन ज़िंदादिली और आशावाद के उन्नत दृष्टिकोण के साथ जिए। १४ वर्ष पहले उन्होंने 'माइट्रल वॉल्व सर्जरी' कराई थी। १ वर्ष पहले साँस फूलने तथा वजन घटाने की समस्या मुखर हुई और हृदय में प्रत्यारोपित किए गए आर्टिफिशियल वॉल्व से लीक (पैरावॉल्वुलर लीक) होने की गंभीर समस्या का निदान हुआ, जिससे हृदय किसी भी वक्त बंद हो सकता था। पुन: सर्जरी कराने में उनकी जान को ख़तरा था और कोई भी सर्जन यह चुनौती स्वीकारने को तैयार नहीं था।

सिम्स हार्ट केयर के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट्स और कार्डियाक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स का अद्‌भुत टीमवर्क तथा 'ट्रांसकैथेटर डिवाइस क्लोज़र' प्रक्रिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सकुशल ऑपरेशन के बिना पैरावॉल्वुलर लीकेज का उपचार किया और हृदय की ख़ामीयुक्त जगह को हमेशा के लिए भर (जोड़) दिया।

श्रीमान दवे ने हमें सिखाया कि जब सारे दरवाजे बंद हो जाएँ, तब जीवन को सही अर्थ में जीने के लिए आशा की एक खिड़की हमेशा खुली हुई होती है।

सीम्स कार्डियाक केयर

- ट्रांसकैथेटर डिवाइस क्लोज़र' प्रक्रिया के विशेषज्ञ
- भारत का एक श्रेष्ठ पर्क्युटेनियस कार्डियाक इन्टरवेन्शन केन्द्र
- भारत का एकमात्र "अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (ए.सी.सी.) सेंटर ऑफ एक्सिलेंस" प्रमाणित केन्द्र

CIMS®
Care Institute of Medical Sciences
Earning Trust with World-Class Practices

www.cims.me

अपॉइन्ट्मेन्ट्स : (L) +91 79 3010 1200 / 1008, (M) +91 98250 66661, (E) opd.rec@cimshospital.org
अेम्ब्युलन्स और इमरजन्सी : (M) +91 98244 50000 / 97234 50000 / 90990 11234
24 x 7 मेडिकल हेल्पलाईन +91 70690 00000

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN: U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.me | *CIMS Hospital India App on:*

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021
Published 20th of every month
Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under
Postal Registration No. GAMC-1730/2016-2018 issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2018

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

"हृदय और धड़कन" का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको "हृदय और धड़कन" का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ओफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

CIMS

सीम्स हॉस्पिटल - कैन्सर सेन्टर

सर्जरी ◆ रेडियेशन ◆ किमोथेरापी

गुजरात की ज्यादा अनुभवी और वरिष्ठ कैन्सर सर्जिकल टीम

वर्सा-एच.डी. दुनिया का अत्याधुनिक रेडियोथेरापी लीनेक मशीन

दो रेडियोथेरापी मशीन : सीम्स खम्बाटा लीनेक सेन्टर द्वाराबहुत कम दरो पर सारवार

सीम्स होस्पिटल की मुलाकात ले :
सोमवार से शनिवार : सुबह 10 से शाम 5 बजे तक

अपोईन्टमेन्ट के लिये संपर्क करे

+91-99792 75555, +91-79-3010 1257

CIMS KHAMBATTA
LINAC CENTRE

सीम्स अस्पताल : शुकन मॉल के पास, ऑफ साईन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.me | www.cims.me

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से
हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और
सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया।